



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



Cadaver Organ Donor

Lt. Suraj Babubhai Bahera

Donated his : Heart, Kidney, Liver & Eyes

Date:- 03/11/2019

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडे� के बाद, किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

बीआरटीएस बस की टक्कर से हुई थी युवक की मौत, सूरत से 24वां हृदय दान

हृदय, किडनी और लीवर के दान से 4 जनों को मिली नई जिंदगी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सूरत. पीपलोद थोड़े के एक युवक को ब्रेन डेड घोषित किया जाने के बाद उसके परिजनों ने अंगदान का निर्णय किया। हृदय का दान मुम्बई फोर्टिस अस्पताल तथा किडनी, लीवर का दान अहमदाबाद आइकेडीआरसी ने स्वीकार किया, जिससे चार जनों को नई जिंदगी मिली है। युवक को पिछले दिनों बीआरटीएस बस की चपेट में घायल होने के बाद महावीर अस्पताल में भर्ती किया गया था।

पीपलोद राजहंस सिनेमा के पांछे श्रीराम विला निवासी सूरज बाबू बहेरा (22) बमरोली रोड पर संचा कारखाने में सुपरवाइजर था। 29 अक्टूबर की रात साढ़े आठ बजे वह लालभाई कॉन्ट्रक्टर स्टेडियम के पास गासा पार कर रहा था, तभी बीआरटीएस बस ने उसे टक्कर मार दी। उसे सनशाइन म्लोकल अस्पताल

में भर्ती किया गया। बाद में परिजन उसे महावीर अस्पताल ले आए।


सीटी स्कैन रिपोर्ट में उसके सिर में रक्त की गोठ की पुष्टि हुई। न्यूरो सर्जन ने एक नव्हम्बर को उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ के प्रमुख नौलेख मांडलेवाला ने परिजनों को अंगदान की जानकारी दी। परिजनों से सहमति मिलने के बाद मांडलेवाला ने मुम्बई फोर्टिस अस्पताल को हृदय दान तथा अहमदाबाद आइकेडीआरसी अस्पताल को किडनी और लीवर दान स्वीकार करने के लिए बुलाया। चक्षुओं का दान लोकार्प्टि चक्षु बैंक ने स्वीकार किया। हृदय सूरत निवासी चालीस की यह महिला में ट्रांसप्लांट किया गया। वही किडनी

70 मिनट में सूरत से मुम्बई पहुंचा दिल



सूरत के महावीर अस्पताल से हृदय का दान स्वीकार करने के बाद फोर्टिस अस्पताल के विकिल्सकों ने सूरत से मुम्बई का 296 किमी का सफर अंतर ग्रीन कॉरिडोर के मध्यम से सिर्फ 70 मिनट में पूरा

किया। अब तक डोनेट लाइफ की तरफ से 347 किडनी, 139 लीवर, 7 पेन्कीयज, 24 हृदय, 4 फेफड़े और 252 चक्षुओं का दान स्वीकार कर 773 लोगों को नया जीवन दिया गया है।

और लीवर तीन जरूरतमंद मरीजों में ट्रांसप्लांट किए गए। सूरज मूल रूप से ओडिशा के गंजाम जिले का

निवासी था।

मंडे पॉजिटिव ■ बीआरटीएस बस की चपेट में आने से घायल युवक ब्रेनडेड, हृदय, किडनी, लीवर और नेत्र का दान किया गया। ब्रेनडेड युवक के अंगदान से 6 लोगों को मिली नई जिंदगी, 269 किमी दूरी 70 मिनट में तय कर मुम्बई में 40 साल की महिला को हृदय ट्रांसप्लांट किया गया।

लेटेस्ट अपडेट

पिलोद के लालभाई कॉन्ट्रक्टर स्टेडियम के पास 29 अक्टूबर को गोड़ कम करने वाले बमरोली बम जी चपेट में आया। पुकार को 1 नालक को लूपटों से लैंगडेड थोड़ा कर दिया। परिजनों द्वारा 22 वर्षीय युवक के अंगदान करने से 6 लोगों को नई जिंदगी मिली। युवक का हृदय मूल्य में 40 लाख रुपये की ट्रांसप्लांट किया गया। हृदय को मुम्बई से जनों के लिए 269 किमी की दूरी में 70 मिनट में लाई गई। इसके बाद ग्रीन कॉरिडोर बदला गया।

सिर में गंभीर थोट के कारण ब्रेनडेड घोषित किया गया।



मुम्बई

पिलोद के लालभाई कॉन्ट्रक्टर स्टेडियम के पास 29 अक्टूबर को गोड़ कम करने वाले बमरोली बम जी चपेट में आया। पुकार को 1 नालक को लूपटों से लैंगडेड थोड़ा कर दिया। परिजनों द्वारा 22 वर्षीय युवक के अंगदान करने से 6 लोगों को नई जिंदगी मिली। युवक का हृदय मूल्य में 40 लाख रुपये की ट्रांसप्लांट किया गया। हृदय को मुम्बई से जनों के लिए 269 किमी की दूरी में 70 मिनट में लाई गई। इसके बाद ग्रीन कॉरिडोर बदला गया।

एपर्पोर्ट तक बनाया ग्रीन कॉरिडोर | लाप लिपि गृह अंगों में से हृदय को मुम्बई भेजा गया था। मुम्बई से जनों के लिए 24वां हृदय दान किया गया था। 30 और 269 किमी की दूरी में 70 मिनट में कर डालने की मुम्बई का अस्पताल घोषणा। हालांकि 40 लाई महिला का ट्रांसप्लांट किया गया था।

परिजनों ने किया अंगों का दान | लाप के केंद्रों में स्थित 40 लाई महिला की इस अस्पताल पर्यावरण और परिजनों को अंगदान के लिए में समर्पण। परिजनों ने भासा कि इस यामानत जीवा की है। जीवन में कोई जीवन-बद्ध दान नहीं है। हालांकि ब्रेन डेड है लेकिन उसकी मृत्यु घोषित होती है। ऐसे में अंगदान जरूर होता है लेकिन यामानत में जीवन रहती है। परिजनों की यामानत जरूर होती है।

अंगदान से 209 लोगों को मिली नई जिंदगी और आज्ञाओं वाली रोकनी अस्पताल में अब तक 24 हृदय दान किया गया है। यामानत में 18 मुम्बई, 3 अहमदाबाद, 1 गोदावरी, 1 इंदौर और 1 नई दिल्ली भौति यामानत में नहीं और लोडला यामानत में 347 किडनी, 139 लीवर, 7 पेन्कीयज, 24 हृदय, 4 फेफड़े और 252 नेत्र दान मिले हैं। इनमें 209 लोगों की नई जिंदगी और आज्ञाओं की यामानत मिली है।

"जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

ब्रेनडेर्ड युवक के अंगदान से 6 को मिला नवजीवन

269 किमी का अंतर 70 मिनट में काटकर मुंबई में हृदय प्रत्यारोपण किया गया

युवक बीआरटीएस बस की चपेट में आया, ब्रेनडेर्ड घोषित, ब्रेनडेर्ड युवक का हृदय, किडनी, लीवर और चश्चुओं का दान किया गया, सूरत से अभी तक 24वां हृदय का दान किया गया



लोकतेज संवाददाता

सूरत। 29 अक्टूबर को बीआरटीएस बस की चपेट में आकर ब्रेनडेर्ड घोषित हुए, 22 वर्षीय युवक के अंगों के दान से 6 को नवजीवन देकर मानवता महाकार्य गई है। जबकि हृदय का दान मुंबई में 40 वर्षीय महिला में ट्रान्सप्लान्ट किया गया। उल्लेखनीय है कि 269 किमी का अंतर सिर्फ 70 मिनट में काटकर हृदय को मुंबई पहुंचाया गया।

गत 29 अक्टूबर को पौष्टिकोद में स्थित श्रीगम विला में रहनेवाला सूरज चावुभाई बहेरा (32) लालभाई कॉर्टेक्टर स्टेडियम के पास सड़क पार कर रहा था। वह बीआरटीएस बस की चपेट में आ-

गया। सिर में गंभीर चोट के कारण बेहोश हालत में निवी अस्पताल में ले जाया गया। जीव करने पर सूरज के दीमांग में रक्त की धूपों जम जाने और सूजन होने का सुलासा हुआ। इस दौरान 1 नवजार को सूरज को ब्रेनडेर्ड घोषित किया गया।

युवक ब्रेनडेर्ड घोषित किये जाने पर डोनेट लाइफ की टीम पहुंची थी और अंगदान के संबंध में परिवार को जानकारी दिया था। परिवारों ने कहा कि हम सामान्य परिवार के लोग हैं। जीवन में हम किसी भी चीज़-बदनु का दान कर सके ऐसा नहीं है। हमारा बेटा ब्रेनडेर्ड है और उसकी मृत्यु निश्चित ही है, वहीं उसके अंगों के दान से किडनी, लीवर, हृदय निष्कलाता के रोगियों को देकर हमारा

पुत्र पांच-साल व्यक्तियों में जीवित रहेगा उसका हमें सविसेष आनंद है। परिवार को सहमति प्रिलिने के बाद हृदय, किडनी, लीवर और चश्चुओं का दान किया गया।

दान किए गए अंगों में से हृदय को मुंबई भेजा गया था। सूरत से ग्रीन कोरिडोर में एयरपोर्ट और एयरपोर्ट से मुंबई उसके बाद मुंबई एयरपोर्ट से ग्रीन कोरिडोर में अस्पताल पहुंचाया गया। सूरत से यह 24वां हृदय का दान किया गया और 269 किमी का यात्रा सिर्फ 70 मिनट में काटकर मुंबई की अस्पताल में सूरत की 40 वर्षीय महिला में ट्रान्सप्लान्ट किया गया। सूरत में अभी तक 24 हृदय का दान किया गया है। जिसमें से 18 मुंबई, 3 अहमदाबाद, 1 चेन्नई, 1 इन्दौर, 1 हृदय नई दिल्ली भेजा गया है। जबकि सूरत और दक्षिण गुजरात से 347 किडनी, 139 लीवर, 7 पेनिक्यास, 24 हृदय, 4 कैफड़ा और 252 चश्चुओं का दान प्राप्त कर 709 लोगों को नवजीवन और रोशनी दी गई है।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेर्ड के बाद किडनी, लीवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

सूरत से 70 मिनट में मुंबई पहुंचाया गया हृदय

**युवक के अंगदान से
छह व्यक्तियों को
मिला जीवनदान**

जनसंसार संवाददाता
सूरत, 3 नवम्बर

शहर के पिपलोद क्षेत्र में रहने वाले एक ब्रेन डेड युवक के हृदय सहित अंगदान से छह व्यक्तियों को जीवनदान मिला है। युवक के हृदय को 70 मिनट में सूरत से मुंबई पहुंचाकर ट्रांसप्लांट किया गया।

पिपलोद स्थित श्रीगम विला निवासी सूरज बाबू बहेया (22 वर्ष) 29 अक्टूबर की रात को लालभाई कॉन्ट्रैक्टर स्टेंडिंग के पास से सड़क पार कर रहा था। उस दौरान बीआरटीएस बस चालक ने उसे टक्कर मार दिया। हादसे में गंभीर रूप से घायल सूरज को महावीर ट्रॉमा हॉस्पिटल में भर्ती किया गया।



सूरत। पिपलोद के श्रीगम विला निवासी सूरज के परिजनों ने किया अंगदान।

1 नवम्बर को डॉक्टरों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। वही इस बारे में डोनेट लाइफ संस्था के अध्यक्ष नीलेश मांडलेवाला का सम्पर्क किया। जिससे मांडलेवाला अपनी टीम के साथ अस्पताल में पहुंचे और सूरज के माता पिता सहित परिजनों को अंगदान करने का महत्व समझाने से परिजन सहमत हो गए। इसके बाद सूरज का दान में लिया

हुआ हृदय 261 किलो मीटर की दूरी 70 मिनट में पूर्ण कर मुंबई मुरुंद की फोर्टिस अस्पताल में पहुंचाया गया। जहां सूरज निवासी 40 वर्षीया एक महिला में ट्रांसप्लांट किया गया। इसके अलावा दोनों किडनी और लिवर का ट्रांसप्लांट तीन जरूरतमंद व्यक्तियों में किया गया। जबकि चक्षुओं का दान लोकटृष्ण चक्षु बैंक में किया गया।

" जीते जी रक्तदान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयदान..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

અંગદાનથી 6ને જુવન, 269 કિમી 70 મિનિટમાં કાપી હૃદય મુંબઇ પહોંચાડ્યું

હેલ્થ રિપોર્ટર. સુરત : BRTS બસે અડકેટમાં લેતા ગંભીર રીતે ઘવાયેલા યુવકને તબીબોએ બ્રેનડેડ જાહેર કર્યો હતો. પરિવારે તેના અંગોનું દાન કરી 6 વ્યક્તિઓને નવ જીવન આપ્યું હતું. શ્રીનકોરીડોરની મદદથી યુવકના હૃદયને સુરતથી 269 કિલોમીટરનું અંતર 70 મીનીટમાં કાપી મુંબઈ પહોંચાડ્યું હતું.

પીપલોંડ પાસે BRTS બસે અડકેટે લેતા યુવક બ્રેનડેડ થયો હતો

પિપલોંડના શ્રીરામ વિલા ખાતે રહેતો સુરજ બાબુલી બહેરા (22) લુભસના કારખાનામાં સુપરવાઈઝર તરીકે નોકરી કરતો હતો અને ત્યાર બાદ રાત્રે પાર્ટટાઈમ લાલભાઈ સ્ટેડિયમ પાસે પરોઠાની લારી પર કામ કરતો હતો. 29મીએ રાત્રે લાલભાઈ સ્ટેડિયમ સામે રસ્તો કોસ કરતા બીઆરટીએસ બસના ચાલકે તેમને અડકેટમાં લઈ લીધા હતા. જેથી ગંભીર રીતે ઘવાયેલા સુરજને મહાવીર ટ્રોભા હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો હતો. જ્યાં મગજમાં લોહીનો



સુરજ બહેરી

ગઢો જામી ગયો હોવાનું અને સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. 1 નવેમ્બરના રોજ સુરજને તબીબોએ બ્રેનડેડ જાહેર કરાયો હતો. ડોનેટ લાઈફની ટીમે સુરજના પરિવારના સભ્યોને ઓર્ગન ડોનેશનની માહિતી આપી મહત્વ સમજાવ્યું હતું. હૃદય મુંબઈની ફોર્ટસ હોસ્પિટલને ફાળવતા હોસ્પિટલની ટીમ સુરત આવી હતી અને શ્રીનકોરીડોરની

મદદથી મહાવીર ટ્રોભા હોસ્પિટલથી મુંબઈ ફોર્ટસ હોસ્પિટલ સુધીનું 269 કિ.મી.નું અંતર 70 મીનીટમાં કાપી સુરતની 40 વર્ષીય મહિલામાં ટ્રાન્સલાન્ડ કરવામાં આવ્યું હતું.

દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બને કિડની અને લિવરનું ટ્રાન્સલાન્ડ ગણ દર્દીઓમાં અમદાવાદની આઈકીઆરસી હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે ચશુઓનું દાન લોકડ્રાની ચશુબેંક દ્વારા સ્વીકારવામાં આવ્યું હતું. સુરતમાંથી આ 24માં હૃદયનું દાન કરાયું છે.



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



સુરતના બ્રેઇનડેડ યુવકનું હૃદય મહિલામાં ધબકતું થયું

સુરત, ગુ. ૦૭

ગુજરાતાના પ્રેટેન ડે સુરત આયુષ્માઈ અને ચેરના પરિવારે ડેનેટ આઇન્ફો માયપટ્ટીની તેના હૃદય, ડિની, ખિયર અને ચક્કાનું દાન કરી છે વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યો માનવતાની મહેક પ્રસ્તરી સમજાહે નહીં રહ્યો જાત્યો છે.

આ જોણેની મજાકીય વિચારો અનુસાર ભારતીયીમાં આપેક કુમલ ખાતાના કુપરચાઈએ તરીકે ક્રમ રેંગા અને શીરધમ રિલાય, રાજકુલ્પ વિનેમાની પ્રાપ્તિ, ચીપલોફ નાને રહેતા મુજબ સ્વીકાર્મના તુરજ આયુષ્માઈ અને (૧.૧.૨૫) માતા-પિતા નાને આઈ સાથે રહ્યે છે. મનજીવાર તા. ૨૮ અંગ્રેઝેન્સની સાથે ૮:૩૦ અંધકારે સુરતને આવ્યાએ સેન્ટ્રાફાર સેરીયમ પહોંચે ભીમાદરદીનેસ અસે ટકારે મારોત્તમાં ગ્રાન્યુર રીજન્શનો એઈ હતી અને તે બેન્ફાન બની ગયો હતો. તંત્ર અનસેની ગ્રાન્યુર ક્રિસ્ટિયની પ્રાપ્તિક સારવાર આપ્યા છાડ અંગ્રેઝે માયપટ્ટી ટ્રૈનિંગ લોરીખાતમાં વાર્ષિક જીવતા નિરાન માટે ચીરી સેન્ન કરવાના મગજામાં કોઈનો ગફું જાયો નથી. હોયાનું અને સુંદરો હોયાનું નિરાન બધું હતું. એથીએ તરીકોથોને સુરતને પ્રેન્ટ જાઓ એઠો હતો.

આ અંગે ડે.પટેલ પટેલ ડેનેટ આઇન્ફો પ્રમુખ નોંધે ચોકેચાળાને અનુ. પાના ૬ પર

સુરત બહેરાને
બીઆરટીએસ
બસે અડફેટમાં
લેતા બ્રેઇનડેડ
થયા હતાં,
ડોનેટ લાઈફના
માદ્યમથી રજમા
હૃદયનું દાન

પાના ૮ નું શેષ

સુરતના બ્રેઇનડેડ

જ્યારે ચક્કાનું દાન લોકડ્રાયી ચક્કાનું સ્વીકાર્યું. સુરતની માયપટ્ટી વાઈફિની ટીમે હોસ્પિટલ પદ્ધાંચી ટ્રોયા હોસ્પિટલથી મુંબઈ, મુલુંડમાં આવેલ કોર્ટીસ હોસ્પિટલ સુધીનું ૨૬૮ ડિ. મી નું અંતર ૭૦ મીનિટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું સફળતા પૂર્વક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની ૪૦ વર્ષની મહિલામાં ચીફ કાર્ડિયાક સર્જન ડૉ. અન્યય મુલે અને તેમની ટીમ દારા કરવામાં આવ્યું છે.

સુરતમાંથી ડેનેટ વાઈફ દારા હૃદયદાનની આ ચોલીસમી ઘટના છે, જેમાંથી ૧૮ હૃદય મુંબઈ, ૩ હૃદય આરાઓટીટીઓ મુંબઈ દારા હૃદય કાર્ડિયોલોજીસ માન્યુલ્યુના સંપર્ક કરી. હોસ્પિટલના ડૉ. સંદીપ સિંહા અને તેમની ટીમે સુરત આવી હૃદયનું દાન સ્વીકાર્યું. ડિની અને ખિયરનું દાન અમદાવાદ, ૧ હૃદય ચેનાઈ, ૧ હૃદય ઇન્ડોર અને ૧ હૃદય નવી દિલ્હી મોકલવામાં આવ્યું છે.

સુરત અને દાના હૃદય કુલ ૭૭૩ અંગ્રેઝેની Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC)ના ડૉ. જમાલ રીજવી અને તેમની ટીમે આવી સ્વીકાર્યું. બસે અને દાના હૃદય કુલ ૭૭૩ અંગ્રેઝેની અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીને ૭૦૮ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી રોશની બસ્તવામાં સફળતા મળી છે.

" જીતે જી રક્તાન, બ્રેઇનડેડ કે લાદ, કિડની, તિવર, હૃદયાટાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

લૂભસ ખાતાના સુપરવાઇઝરનાં અંગોનાં દાનથી 6 જણાને નવજીવન મળશે

પીપલોદમાં રોડ કોસ કરતા યુવકને બીઆરટીએસ બસે ટક્કર મારતાં ગંભીર દિલ્લ બાદ પ્રેઈન ડેસ જાહેર કરાયો હતો

સુરત : એંડ્રિસ્સાના નંગામણો વતની અને ધ્વનિ પીપલોદ ચાંદસ સિનેમા પછ્યા શીરામ વિલા ખાતે રહેતો 20 વર્ષથી સુરજ બાબુભાઈ બહેર છાલ ભમરોલી ખાતે લૂભસ ખાતામાં સુપરવાઇઝર તરીકે નોકરી કરતો હતો. ગત તા.29 એક્ટોબરે લાલભાઈ કોન્ટ્રોક્ટર સ્ટેટ્યુમ પાસે બીઆરટીએસ બસ અડકેટ ગંભીર હજી થતાં તાત્કાલિક પીપલોદની ખાનગી હોસ્પિટ. માં ખેસડાયો હતો. જ્યાં તભીઓએ નિદાન કરતો મગજમાં લોડીનો ગડો જામી ગયો હોવાનું અને સોજો

હોવાનું અભાર આવ્યું હતું. દરમયાન ગત શુક્રવારે તભીઓએ તેને પ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યો હતો. આ અંગે પ્રેનેટ લાઈફને જાણ કરતા પ્રમુખ નિલેશ મહિલાવાલા સહિતે પરિવારને જમજમાયો હતો. જેવી પરિવારે પણ મંજુરી આપી દેવાતાં તભીઓએ મદદદી તેના હૃદય, બે ડિની, એક લિવર અને બે ચશુઓનું દાન લેવામાં આવ્યું હતું. અમણજી પરિવાર દ્વારા પુત્રના હૃદયનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું. જે

હૃદય મુલઈની ખાનગી હોસ્પિટલમાં 269 ડિલોમિટરનું અંતર 70 મિનિટમાં કાપીને બાઈ ક્લાઈટ મુલઈ મોકલવામાં આવ્યા હતા. મુલઈના તભીઓએ સુરજનું હૃદય સુરતની 40 વર્ષની મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. સુરતની આ મહિલાના હૃદયની વાલ્વ 10 વર્ષ પહેલાં બદલવામાં આવ્યો હતો. તેથીને છેલ્લા 1 વર્ષથી તેના હૃદયની પર્મિંગ ક્ષમતા 15થી 20 ટકા થઈ ગઈ હતી.

દિશાસુચક

બીઆરટીએસ બસની અડફેટે મૃત્યુ પામનાર યુવકના પરિવારનું દ્રષ્ટાંત્રસ્પ કાર્ય

પ્રેઈનડેસ યુવકના અંગદાનથી દુને નવજીવન, ૨૬૬ કિમીનું અંતર ૭૦ મિનિટમાં કાપીને મુંબઇમાં હૃદય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરત:

રઘુમી એક્ટોબરના રોજ બીઆરટીએસ બસની અડકેટ આવી છેન્નડેડ જાહેર થયેલો ૨૨ વર્ષથી યુવકના અંગોના દાનથી દુને નવજીવન આપી માનવતા મહેકલવા છે. જ્યારે હૃદયનું દાન મુલઈ ખાતે ૪૦ વર્ષથી મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. અને ઉલ્લેખનિય છે કે, ૨૬૬ કિમીનું અંતર માત્ર ૭૦ મિનિટમાં કાપીને હૃદયને મુંબઇ

પહોંચાડવામાં આવ્યું હતું. ગત ૨૮માંના રોજ પીપલોદમાં આવેલી શીરામ વિલામાં રહેતો સુરજ બાબુભાઈ બહેરા (૩૦.૧.૨૨) લાલભાઈ કોન્ટ્રોક્ટર સ્ટેટ્યુમ પાસે રસ્તો કોસ કરતા બીઆરટીએસ બસની અડકેટ ચંદ્રો હતો. માથામાં ગંભીર ઠાકાના કારણે બેબાન લુલાતમાં ખાનગી હોસ્પિટલમાં ખેસડાયો હતો. તપાસ કરતા સુરજના

મગજમાં લોડીનો ગડો જામી ગયો અને સોજો હોવાનું જાણવા મળ્યું હતું. દરમયાન ૧ નવેમ્બરના રોજ સુરજને પ્રેઈનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યો હતો.

યુવક છેન્નડેડ જાહેર કરતા પ્રેનેટ લાઈફની ટીમ પદ્ધતીયી હતી અને અંગદાન અંગે પરિવારને માહિતી આપી હતી. પરિવારજનોએ જાળવ્યું હતું કે, અમે સામાન્ય પરિવારના માનવતા છીએ. જીવનમાં અમે કોઈપણ ચીજાવસ્તુનું દાન કરી શકીએ તેમ નથી.

અમારું દીકરો છેન્નડેડ છે અને તેનું મૃત્યુ નિયત છે છે, ત્યારે તેના અંગોના દાન થકો ડિની, લિવર, હૃદય નિયાળતાના દર્દિયોને આપી અમારું પુત્ર ચાંચ-સાત વ્યક્તિયોએ જીવિત રહેશે તેનો અમને સંવિશેષ આનંદ છે. પરિવારની સંમતિ મગજ બાદ હૃદય, ડિની, લિવર અને ચશુઓના દાન કરવામાં આવ્યા હતા.

૭૦ મિનિટમાં હૃદય સુરતથી મુંબઇ પહોંચાડ્યું

દાન કરાયેલા અંગો પેકી હૃદયને મુંબઇ મોકલવામાં આવ્યું હતું. સુરતથી ચીન કોરિડોરમાં એરપોર્ટ અને એરપોર્ટથી મુંબઇ ટ્યારનાન મુંબઇ એરપોર્ટથી ચીન કોરિડોરમાં હોલિટલ પહોંચાડવામાં આવ્યું હતું. સુરતમાંથી આ રસમાં હૃદયનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું અને ૨૬૬ કિમીની રસતો માત્ર ૭૦ મિનિટમાં કાપી મુંબઇની હોસ્પિટલમાં સુરતની ૪૦ વર્ષથી મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

૭૦૬ લોકોને અંગોના દાનથી નવજીવન મળ્યું

લુદ્દાતમાંથી અત્યાર સુધીમાં રે હૃદયના દાન કરવામાં આવ્યા છે. જેમાંથી ૧૮ મંજુદી, ૩ અમદાવાદ, ૧ ચેન્નાઈ, ૧ દિલ્હી, ૧ હૃદય લવી ટિલ્હી મોકલવામાં આવ્યા છે. જ્યારે સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ૩૪૭ કિડની, ૧૩૮ લિવર, ૪ પેન્ડીઓસ, ૨૮ હૃદય, ૪ કુકાના અને રૂપર ચશુઓનો દાન મેળાયોને ૭૦૮ લોકોને નવજીવન અને રોશની આપવામાં આવી છે.

" જીતે જી રહ્યાના, બ્રેનડેડ કે બાદ, કિડની, લિવર, હૃદયાદાન..."

Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat



પીપલોદના બ્રેન્ડેડ યુવકનાં અંગદાનથી છને નવજીવન મળ્યું

સુરત, તા.૩

શહેરના પીપલોદ વિલામાં રહેતા યુવકને ગઈ તા.રહમીના રોજ અક્સમાત નજ્દો હતો. અક્સમાતમાં ઈજાઓ બાદ હોસ્પિટલ ખસેખ્યેલા યુવાનને બ્રેન્ડેડ જોહેર કરયો હતો. દરમિયાન પરિવારજનોએ યુવકના અંગોનું દાન કરીને દ વ્યક્તિનોને નવું જીવન આપ્યું છે. યુવકના હદ્દ્ય, કિડની અને લીવરનું દાન કરી માનવતાનું વધુ એક ઉદાહરણ પૂરુષ પાયું હતું. બ્રેન્ડેડ યુવાનનું હદ્દ્ય ૭૦ મિનિટમાં ૨૫૮ કિ.મી.૨ અતિર કાપી મુલાઈ ખાતે પહોંચાડવામાં આવ્યું હતું.

સુરતના પીપલોદમાં વિલામાં



શ્રીરામ વિલામાં રહેતાં સુરજ બહેરાને ગત ૨૮મી ઓક્ટોબરે BRTS બસ અડ્કેટે અક્સમાત નજ્દો હતો; પરિવારે હદ્દ્ય, કિડની, લિવરનું અંગદાન કરી સમાજને ઉદાહરણ પૂરુષ પાયું

આવેલા શ્રીરામ વિલામાં રહેતો સુરજ ભાણુભાઈ બહેરા ગઈ ૨૮મી ઓક્ટોબરના રોજ લાલભાઈ કોન્ટ્રાક્ટર સેરીયમ પાસે રહ્યો ઓંનગી રહ્યા હતા. ત્યારે બીઆરટીએસ બસની અડ્કેટે આવી જતા તેને ગંભીર ઈજા પહોંચી હતી. માથામાં

ગંભીર ઈજાના કારણે બેનાન હાલતમાં જોહેર કરવામાં આવ્યો હતો. સ્થાનિક લોકો તેને ખાનગી હોસ્પિટલ લઈ નયા હતા. જ્યાં તખીઓએ તેને મગજમાં લોહીનો ગઢો જામી જવા સાથે વધુ પડતો હતી.

યુવકને બ્રેન્ડેડ જોહેર કરતા કેનેટ નયા હતો. જ્યાં તખીઓએ તેને મગજમાં લાઈફની ટીમ હોસ્પિટલ પહોંચી હતી. અને અંગદાન અંગે પરિવારને સમજજી સોઝે હોવાનું પરિવારને જાહીયું હતું. આપી હતી. પરિવાર એકિસાના વાતની સારવાર વેળા ગત સાંજે યુવાનને બ્રેન્ડેડ હોવાની સાથે તેમને આ બાબતે જાણકારી આવી છે.

ન હોવાને લઈને તેમને સમજ્યું આવ્યા હતા. અને પરિવારજનોએ અંગોના દાન થકી કિડની, લિવર, હદ્દ્ય નિષ્ઠળતાના દર્દીઓને આપવાનું નક્કી કર્યું હતું. દાન કરાયેલા અંગો પેકી હદ્દ્યને મુલાઈ મોકલવામાં આવ્યું હતું. સુરતથી ગૌન કોરિયોરમાં અરપોર્ટ અને અરપોર્ટથી મુલાઈ ત્યારબાદ મુલાઈ એરપોર્ટથી ગૌન કોરિયોરમાં હોસ્પિટલ પહોંચાડવામાં આવ્યું હતું. સુરતમાંથી આ ૨૪માં હદ્દ્યનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું અને ૨૬૮ કિડનીની રહ્યો માત્ર ૭૦ મિનિટમાં કાપી મુલાઈની હોસ્પિટલમાં સુરતની ૪૦ વર્ષીય મહિલામાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

ઉલ્લેખનીય છે કે, દાનવાર તરીકે ઓળખાતા સુરત માંથી અત્યાર સુધીમાં ૨૪ હદ્દ્યના દાન કરવામાં આવ્યા છે. જેમાંથી ૧૮ મુલાઈ, ૩ અમદાવાદ, ૧ ચેમાઈ, ૧ ઈન્દોર, ૧ હદ્દ્ય નવી દિલ્હી મોકલવામાં આવ્યા છે. જ્યારે સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ૩૪૭ કિડની, ૧૩૯ લિવર, ૭ પેન્કીઅસ, ૨૪ હદ્દ્ય, ૪ ફેફસા અને ૨૫૨ ચલુનો દાન મેળવીને ૭૦૯ લોકોને નવજીવન અને રોશની આપવામાં આવી છે.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેન્ડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્દ્યદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

સુરતના યુવાનના હૃદયના દાનથી મુંબઈની મહિલાને જીવનદાન

**ઉપરાંત કિડની, લિવર, ચક્ષુઓથી અન્ય
પાંચ વ્યક્તિઓને પણ પણ નવજીવન મળ્યું**

ભાગ્યરથ્યા | મુખ્ય

સુરતના ઉડિયા સમાજના બ્રેનડેડ સૂરજ બાબુભાઈ બહેરાના પરિવારે ડોનેટ લાઈફના માધ્યમથી તેના હૃદય, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરતાં મુંબઈની 40 વર્ષની મહિલાને જીવનદાન મળ્યું હતું, જ્યારે અન્ય પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે. સુરતથી મુંબઈનું રહેલ ડી.મી.નું અંતર વિશિષ્ટ માર્ગો બનાવીને 70 મિનિટમાં કાપીને હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈ મુલુંડની ફોર્ટિસ હોસ્પિટલમાં સફળતાથી કરવામાં આવ્યું હતું.

શ્રીરામ વિલા, રાજહંસ સિનેમાની પછીન, પીપલોદ, સુરતનો 22 વર્ષિય સૂરજ બમરોલીમાં લુંસ ખાતામાં સુપરવાઈઝર હતો. ઘરમાં પિતા બાબુલી માળીકામ કરી પરિવારનું ગુજરાન ચલાવે છે, જ્યારે પરિવારમાં માતા ગીતાંજલિ અને ભાઈ સંન્યાસી છે.

રદ્દ ઓક્ટોબરે રાત્રે 8:30 કલાકે સૂરજ લાલભાઈ કોન્ટ્રાક્ટર સ્ટેડિયમ પાસે રસ્તો કોસ કરી રહ્યો હતો ત્યારે બીઆરટીએસ બસે

ટક્કર મારી હતી, જેમાં તે બેભાન થયો હતો. તેને સનસાઈન ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયો, જે પછી 30 ઓક્ટોબરે મહાવીર ટ્રોમા હોસ્પિટલમાં ન્યૂરોસર્જન ડૉ. પવલ પટેલની સારવાર હેઠળ દાખલ કરાયો. ૧લી નવેમ્બરે ડૉ. પટેલ, ઇન્ટેન્સીવિલ્સ્ટ ડૉ. આલોક શાહ, મેડિકલ ડાયરેક્ટર ડૉ. કિરોર વૈધ અને ફિઝિશિયન ડૉ. માણેક અસાવાએ સૂરજને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યો.

ડૉ. પટેલે ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નીલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરી આ અંગે માહિતી આપી, જેમણે પછી સૂરજના પરિવારજનોને ઓર્ગન ડોનેશન માટે સમજાવ્યા હતા, જે પછી તેનું હાઈ મુંબઈમાં 40 વર્ષિય મહિલામાં ચીક કાર્ડિયાક સર્જન ડૉ. અન્યય મુજયે અને ટીમે ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કર્યું. કિડની અને લિવરનું દાન અમદાવાદની આઈકેડીઆરસીના ડૉ. જમાલ રિઝવી અને તેમની ટીમે આવી સ્વીકાર્યું, જ્યારે ચક્ષુઓનું દાન લોકદાસ્ટી ચક્ષુંને સ્વીકાર્યું, જેના થકી કુલ છ જાગુને નવજીવન મળ્યું છે.

" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયાનાં..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૨૪મા હૃદયનું દાન બેઠિન કેડ 'સૂરજ'ના અંગદાનથી છ વ્યક્તિના જીવનમાં 'ઉજાસ' પ્રસયો

| સુરત |

ઉડિયા સમાજના બેઠિન કેડ સૂરજ બહેરાના અંગદાનથી ઓર્ગન કેલ્યોરને કારણે જિંદગી સામે જરૂરી રહેલા છ વ્યક્તિના જીવનમાં ઉજાસ કેલાયો છે. બીઆરટીએસ બસે ટક્કર મારતા ઈજામસ્ત હાલતમાં હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયેલા સુરજને બેઠિન કેડ ઘોષિત કરાતા તેની કિડની, લિવર, ચાલુ અને હાર્ટ જરૂરીયાતમંદ દર્દીઓમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું. આ સાથે ડોનેટ લાઈફ દ્વારા સુરતમાંથી ૨૪મા હૃદયનું દાન કરાયું છે.

પીપલોદ, રાજહંસ સિનેમાની પાછળ આવેલા શ્રીરામ વિલામાં રહેતો સુરજ બાબુ બહેરા (ઉ.વ.૨૨) બમરોલામાં આવેલા લુમસના કારખાનામાં નોકરી કરતો હતો. મુણ ઓરીસા, ગંગામનો વતની સુરજ ગત તા. ૨૮મીએ સવારે લાલભાઈ કોન્ટ્રાક્ટર સ્ટેડિયમ પાસે રસ્તો કોસ કરી રહ્યો હતો, તે સમયે બીઆરટીએસ બસે તેને ટક્કર મારતા ગંભીર ઈજાઓ થઈ હતી. તેને ગંભીર હાલતમાં ખાનગી હોસ્પિટલમાં બસેડાયો હતો. તબીબી તપાસ દરમિયાન



સુરજના મગજમાં લોહીનો ગઢો જામી જવા સાથે સોજો આવ્યો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ ગત તા. ૧ લીએ તબીબોની ટીમે સુરજને બેઠિન કેડ ઘોષિત કર્યો હતો.

ડોનેટ લાઈફની ટીમ દ્વારા સુરજના પરિવારને અંગદાનનું મહત્વ સમજાવાયું હતું. ત્યારબાદ તેમણે સુરજના અંગોનું દાન કરવા સમંત્તી આપી હતી. સુરજની આંખોનું દાન લોકડ્રાઇ ચાલુબેંકે સ્વિકાર્યું હતું. જ્યારે તેનું હૃદય મુંબઈ ખાતે સુરતની મહિલામાં ટ્રાન્સપાલ્ટ કરાયું હતું, અને બંને કિડની તથા લિવર ત્રણ જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓમાં અમદાવાદની IKDRCમાં ટ્રાન્સપલ્ાન્ટ કરાયું હતું.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

મૂળ ઓરીસ્સાનાં યુવાનના હદ્ધયનું સુરતથી મુંબઈની હોસ્પિટલમાં સક્રણ ટ્રાન્સપ્લાન્ટેશન

(પ્રાતાનેચિ દ્વારા)

સુરત, રવિવાર

પીપલોંડ ખાતે બીઆર્ટીઅસ્ઝ બસની ટક્કરથી ઈજાઅસ્લ યુવાનપ્રેરીન ડેડ જહેર થયા બાદ તેના પરિવારે તેનું હદ્ધય, કિડની, લિવર અને ચાલુઓનું દાન કરીને છી વ્યક્તિગતોને નવકૃત્વન આપ્યું હતું. તેના હદ્ધયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈના મુલુંડની હોસ્પિટલમાં કરવામાં આવ્યું હતું.

મૂળ ઓરીસ્સાના ગંગભૂમના ભાષ્યકાળનગરના વતની અને લાલમ પીપલોંડમાં શ્રી જામબિલામાં રહેતો સુરજ બાળુભાઈ બહેરા (ઉ.૧.૨.૨૨) બમરોલીમાં લુભ્સ ખાતામાં સુપરવાઈઝર તરીકે ક્રમ કરતો હતો.

તા. રણમીએ રહેતે પીપલોંડ રોડ પર રહેતો કોસ કરી રહ્યો હતો ત્યારે બીઆર્ટીઅસ્ઝ બસે ટક્કર મારતા માણસાં જંમ્બીર ઈજા થઈ હતી. તેના સીટી સ્કેન રીપોર્ટમાં જાણવા મળ્યું હે, તેના મગજમાં લોહીનો ગઢો જાખી ગયો હતો અને સોણો હોયાનું નિદાન કર્યું હતું. તા. ૧૧૩૧ના રેજન્યૂસેસર્ઝન અને રિકાર્ટીયન સુરજને ક્રેનનેડ

જહેર કર્યો હતો. ડોનેટ લાઈફ ની સમજાવટથી પરિવારે તેના અંન દાન માટે સંમતિ આપી હતી. કેવી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ઈન્સીપુટ ઓફ ક્રીડની ડિસ્ટ્રિક્શન એન્ડ રીસંચ સેન્ટરમાં સંપર્ક કરી હદ્ધય,

સ્વીકાર્યું હતું. સુરતના અઠવાગેટની પ્રાઈવેટ હોસ્પિટલથી મુંબઈના મુલુંડમાં આવેલી પ્રાઈવેટ હોસ્પિટલ સુધીનું ૨૬૬ ક્રિડનું અંતર ૩૦ મીનિટમાં ક્રાપીન દાનમાં મેળવવામાં આવેલા

હદ્ધયનું સફળતા પૂર્વક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ સુરતની ૪૦ વર્ષની મહિલામાં ચીક કા ડયાક સર્જન અને તેમની ટીમે કર્યું હતું. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી બંન કિડની અને લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ જરૂર જરૂરિયાતમંદ દર્દીઓ માં અમદાવાદ હોસ્પિટલના ડોક્ટરોની ટીમે કર્યું હતું. સુરતમાંથી ડોનેટ લાઈફ દ્વારા હદ્ધય દાનની આ રોમ્બી પટના છે, જેમાંથી ૧૮ હદ્ધય

કિડની અને લિવરના દાન માટે જાણાયું હતું. નુહરાના હોસ્પિટલમાં હદ્ધય ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે કોઈ દર્દી નાથી હોવાને પ્રારંભ મુંબઈનો સંપર્ક કર્યો હતો. અને તેના હદ્ધયનું દાન મુંબઈના મુલુંડની પ્રાઈવેટ હોસ્પિટલે સ્વીકાર્યું હતું. તો કિડની અને લિવરનું દાન અમદાવાદની હોસ્પિટલની ટીમે સ્વીકાર્યું હતું. અને ચાલુઓનું દાન બોક્સાની ચાલુઓનું હતું. અને નવી રોસની બસવામાં સફળતા મળી છે.

મુંબઈ, ઉઅમદાવાદ, ૧ ચેગાઈ, ૧ ઇન્ડોર અને ૧ નવી દિલ્હી મોકલવામાં આવ્યું હતું. ડોનેટ લાઈફને ઉર્ફ કિડની, ૧ ઉદ્દ લીવર, ૭ પેન્ડીઅસ, ૪ ફેકસાં અને ૨૫૨ ચાલુઓ મળી કૂલ ૭૭૩ અંગો અને ટીસ્યુઓનું દાન મેળવીની ૩૦૮ વ્યક્તિગતોને નવકૃત્વન અને નવી રોસની બસવામાં સફળતા મળી છે.

ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૨૪માં હદ્ધયનું દાન: સુરજ બહેરાના હદ્ધય, કિડની, લિવર અને ચાલુના અંગદાનથી ૪ જીંદગીમાં હરિયાળી



" જીતે જી રત્નાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હદ્ધયાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

બ્રેઇનડેડ ઉડીયા યુવકના અંગોનું દાન કરાતા છ લોકોને નવજીવન

**યુવકનું હૃદય મહિલાના
શરીરમાં સફળ રીતે
ધરકતું કરાયું**

સુરત, તા.૪

ઉડીયા સમાજના ભેઠન ડેડ સુરજ બાબુભાઈ બહેરાના પરિવારે ગેનેટ લાઈફના માધ્યમથી તેના હૃદય, ડિની, લીવર અને ચલુઓનું દાન કરી છ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપી માનવતાની મહેક પ્રસારી સમાજને નવી દિશા બતાવી છે.

આ અંગેની મળતી વિગતો અનુસાર બમરોલીમાં આવેલ લુંસ ખાતામાં સુપરવાઈઝ તરીકે કામ કરતા અને શીર્ચામ વિલા, રાજહંસ ખિસ્નેમાની પાછળ, પીપલોછ ખાતે રહેતા મૂળ ઓરિસ્સાના સુરજ બાબુભાઈ બહેરા (૩.૨.૨૨) માતા-પિતા અને ભાઈ સાથે રહે છે. મંગળવાર તા.૨૮ ઓક્ટોબરની રોજ ૮.૩૦ કલાકે સુરજને લાલભાઈ ડેન્ટાક્લાર્ટ સ્ટેરિપ્સ પાસે બીઅારટીએસ બસે ટક્કડ મારતા માથામાં ગંભીર ઈજાઓ થઈ હતી અને તે બેબાન થઈ ગયો હતો. તેને જનસાઈન ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં

પ્રાથમિક સારવાર અપાયા બાદ ૩૦ મીંથે મહાવીર ટ્રોમા હોસ્પિટલમાં લઈ જવાતા નિદાન માટે શીટો સ્કેન કરાવતા મજજામાં લોડીનો ગડો જામી ગયો હોવાનું અને સોજો હોવાનું નિદાન થયું હતું. ૧૯૮૦મે તથીઓએ સુરજને બ્રેઇનડેડ લાઈફ કર્યો હતો. આ અંગે હે. પચલ પટેલ ગેનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાને માહિતી આપતા ગેનેટ લાઈફની ટીમ હોસ્પિટલ પદ્ધતિઓની સુરજના પિતા બાબુલી, માતા ગીતાંજલી, ભાઈ સન્યાસી, મામા પ્રકાશ અને કેલાશ તેમજ અન્ય સભ્યોને ઓર્ગન ગેનેશનની જગ્યાકારી આપી તેનું મહત્વ સમજવતા પરિવારે અંગદાનની સંમતિ આપી હતી. ગુજરાતની હોસ્પિટલમાં હૃદયના ટ્રાન્સપલાન્ટ માટે કોઈ દર્દી ન હોવાને કારણે એસઓટીટીઓએ આરઓટીટીઓ મુંબઈનો સંપર્ક કર્યો. આરઓટીટીઓ મુંબઈ દ્વારા હૃદય મુલુંડામાં આવેલ કોર્ટિસ હોસ્પિટલન કાળવવામાં આવ્યું.

મુંબઈની કોર્ટિસ હોસ્પિટલના ડૉ. સંદીપ સિંહા અને તેમની ટીમે સુરત આવી હૃદયનું દાન સ્વીકાર્ય. કિન્ની અને લીવરનું દાન અમદાવાદની Institute of Kidney Diseases and Research Centre ના ડૉ. જમાલ રીજબી અને તેમની ટીમે આવી સ્વીકાર્ય. જ્યારે ચલુઓનું દાન લોકદારી ચલુંબેક સ્વીકાર્ય. સુરતની મહાવીર ટ્રોમા હોસ્પિટલથી મુંબઈ, મુલુંડામાં આવેલ કોર્ટિસ હોસ્પિટલ સુધીનું ૨૬૮ ડિ.મી.નું અંતર ૭૦ મિનિટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું સફળતા પૂર્વક ટ્રાન્સપલાન્ટ સુચેતની ૪૦ વર્ષની મહિલામાં ચીક કાર્ટિયક સર્જન ડૉ. અન્ધય મુલે અને તેમની ટીમ દારા કરવામાં આવ્યું છે.

સુરતમાંથી ગેનેટ લાઈફ દારા હૃદયદાનની આ ગોવીસમી ઘટના છે. જેમાંથી ૧૮ હૃદય મુંબઈ, ૩ હૃદય અમદાવાદ, ૧ હૃદય ચેમાઈ, ૧ હૃદય ઈન્ડોર અને ૧ હૃદય નવી દિલ્હી મોકલવામાં આવ્યું છે. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી ગેનેટ લાઈફ દારા ૩૪૭ કિડની, ૧૩૮ લીવર, ૭ અનુસંધાન પાલા ૭ પર

બ્રેઇનડેડ

૭૨૩ પાનાનું ચાલુ

પેન્કીસાસ, ૨૪ હૃદય, ૪

કેકસા અને ૨૫૨ ચચ્છુઓ કુલ ૭૭૩ અંગો અને ટીસ્પુઓનું દાન મેળવીને ૭૦૮ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી રોશની બદલવામાં સફળતા મળી છે.

" જીતે જી રક્તદાન, બ્રેનડેડ કે બાદ કિડની, લિવર, હૃદયદાન..."



Press Report of News Paper on Cadaver Organ Donation from Surat

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: January 2006 to 03rd Nov, 2019

347
KIDNEY
139
LIVER
7
PANCREAS
24
HEART
4
LUNGS
252
CORNEA

Which has given new lease of life &
vision to 709 persons across the country & globe

" जीते जी रक्तान, ब्रेनडेड के बाद किडनी, लिवर, हृदयादान..."